ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

'भारतीय अंतरिक्ष मिशन की एक गौरवशाली यात्रा' पर हुआ व्याख्यान

वर्धा, 23 अगस्त 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' पर शुक्रवार, 23 अगस्त को महादेवी वर्मा सभागार में कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में 'भारतीय अंतरिक्ष मिशन की एक गौरवशाली यात्रा' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान के पहले भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 'चंद्रयान-3' के यशस्वी प्रक्षेपण की स्मृति में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम् में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने की व्यवस्था विश्वविद्यालय के गालिब सभागार में की गयी। इस कार्यक्रम में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित करते हुए कहा कि इसरो ने अपने शुरुआती दिनों से ही शानदार यात्रा की है। इसने अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके साथ ही इसरो ने देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने उन समर्पित वैज्ञानिकों की सराहना की जिन्होंने

न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंतरिक्ष कार्यक्रमों में शामिल किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारा देश अंतरिक्ष विज्ञान में निरंतर प्रगति करेगा और हम उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करते रहेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह तथा इसरो के चेयरमैन एम. सोमनाथ उपस्थित रहे।

दोपहर के सत्र में 'भारतीय अंतरिक्ष मिशन की एक गौरवशाली यात्रा' पर आयोजित विशेष व्याख्यान में वक्ता के रूप में इंडियन इस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड् स्टडीज, शिमला के अध्येता प्रो. जितेन्द्र कुमार राय ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की। अपने व्याख्यान में प्रो. जितेंद्र कुमार राय ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा सन 1962 में प्रारंभ हुई, जिसमें विक्रम साराभाई, सतीश धवन और ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में हमारी अद्वितीय उपलब्धि के कारण हम धरती और धरती के भीतर की जानकारी हासिल कर रहे हैं। भारत ने अब अंतरिक्ष शक्ति हासिल की है। अंतरिक्ष की प्रगति के पडाव और विभिन्न चरणों की सफलता तथा चुनौतियों को बताते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर हुआ है और यह बात अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सराहनीय है। उन्होंने पी.पी.टी. और

वीडियो के माध्यम से भारत की गौरवशाली यात्रा का वर्णन प्रस्तुत किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. सिंह ने अंतरिक्ष में भारत की गौरवशाली प्रगति का उल्लेख करते हुए इस उपलब्धि में शामिल वैज्ञानिकों के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग की प्रभारी डॉ. हर्षलता पेटकर ने दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 23 अगस्त को भारत को अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई और चंद्रयान-3 के यशस्वी प्रक्षेपण से भारत दक्षिण ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन गया। इस दिन को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया।

कार्यक्रम का संचालन लीला विभाग के डॉ. गिरीश चंद्र पाण्डेय ने किया तथा लीला प्रभारी डॉ. अंजनी कुमार राय ने आभार माना। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अध्यापक, शिक्षकेतर कर्मी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से तथा विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर (अमरावती), क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज एवं कोलकाता के अध्यापक एवं विद्यार्थी ऑनलाइन उपस्थित हुए।

हिंदी विश्वविद्यालयात राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिन साजरा
'भारतीय अंतरिक्ष मोहिमेचा गौरवशाली प्रवास' विषयावर व्याख्यान

वर्धा, 23 ऑगस्ट 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिनानिमित्त शुक्रवार, 23 ऑगस्ट रोजी महादेवी वर्मा सभागृहात 'भारतीय अंतरिक्ष मोहिमेचा गौरवशाली प्रवास' या विषयावर विशेष व्याख्यान आयोजित करण्यात आले.

व्याख्यानापूर्वी भारताच्या माननीय पंतप्रधानांनी 'चांद्रयान-3' च्या यशस्वी प्रक्षेपणाच्या स्मरणार्थ राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिन साजरा केला. यानिमित्ताने भारत मंडपम, नवी दिल्ली येथे आयोजित मुख्य कार्यक्रमाचे थेट प्रक्षेपण विश्वविद्यालयाच्या गालिब सभागृहात पाहण्याची व्यवस्था करण्यात आली. कार्यक्रमाला भारताच्या राष्ट्रपती द्रौपदी मुर्मू संबोधित करताना म्हणाल्या की इस्रोचा सुरुवातीच्या दिवसांपासूनचा प्रवास खूप छान झाला आहे. यामुळे अंतरिक्ष क्षेत्रात उल्लेखनीय कामगिरी केली आहे. यासोबतच इस्रोने देशाच्या सामाजिक आणि आर्थिक विकासातही अमूल्य योगदान दिले आहे. त्यांनी समर्पित शास्त्रज्ञांचे कौतुक केले ज्यांनी कमीत कमी संसाधनांचा वापर करून भारताच्या अंतरिक्ष कार्यक्रमाला जगात सर्वोत्तम स्थान दिले आहे. आपला देश अंतरिक्ष विज्ञानात प्रगती करत राहील आणि आपण उत्कृष्टतेचे नवे मापदंड प्रस्थापित करत राहू असा विश्वास त्यांनी व्यक्त केला. याप्रसंगी केंद्रीय भूविज्ञान मंत्रालयाचे राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह आणि इस्रोचे चेयरमैन एम. सोमनाथ उपस्थित होते.

दुपारच्या सत्रात 'भारतीय अंतरिक्ष मोहिमेचा गौरवशाली प्रवास' या विषयावर आयोजित विशेष व्याख्यानात वक्ते म्हणून इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ ॲडव्हान्स स्टडी, शिमलाचे अध्येता प्रो. जितेंद्र कुमार राय यांनी संबोधित केले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्ष स्थानी कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह होते. प्रो. जितेंद्र कुमार राय म्हणाले की भारताचा अंतरिक्ष प्रवास 1962 मध्ये सुरू झाला, यात विक्रम साराभाई, सतीश धवन आणि ए. पी.जे. अब्दुल कलाम यांच्यासारख्या शास्त्रज्ञांनी महत्त्वाचे योगदान दिले. अंतराळ क्षेत्रातील अद्वितीय कामगिरीमुळे पृथ्वी आणि तिच्या अंतर्भागाची माहिती मिळवत आहोत. भारताने आता अंतराळ शक्ती निर्माण केली आहे. अंतराळातील प्रगतीचे टप्पे, विविध टप्प्यातील यश आणि आव्हानांचे वर्णन करताना ते म्हणाले की भारत या क्षेत्रात स्वावलंबी झाला आहे आणि आर्थिक दृष्टिकोनातून हे कौतुकास्पद आहे. त्यांनी भारताच्या गौरवशाली प्रवासाचे वर्णन पी.पी.टी. आणि व्हिडिओद्वारे सादर केले.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. सिंह यांनी अंतरिक्षातील भारताच्या गौरवशाली प्रगतीचा उल्लेख करत या यशात सहभागी शास्त्रज्ञांचे आभार मानले. स्वागत भाषा तंत्रज्ञान व भाषा अभियांत्रिकी विभागाच्या प्रभारी डॉ. हर्षलता पेटकर यांनी केले. त्या म्हणाल्या की गेल्या वर्षी 23 ऑगस्ट रोजी भारताने अंतराळ क्षेत्रात महत्त्वपूर्ण कामगिरी केली आणि चंद्रयान-3 च्या यशस्वी प्रक्षेपणामुळे भारत दक्षिण ध्रुवावर उतरणारा पहिला देश ठरला. हा दिवस भारताचे पंतप्रधान श्री नरेंद्र मोदी यांनी राष्ट्रीय अंतराळ दिवस म्हणून घोषित केला.

कार्यक्रमाचे संचालन लीला विभागाचे डॉ. गिरीश चंद्र पांडे यांनीकेले तर लीला प्रभारी डॉ. अंजनी कुमार राय यांनी आभार मानले. यावेळी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, विद्यार्थी प्रत्यक्ष तर सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा आणि तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपूर (अमरावती), क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज आणि कोलकाता येथील शिक्षक व विद्यार्थी ऑनलाइन सहभागी झाले.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305